

विशेष रिपोर्ट

मसाले

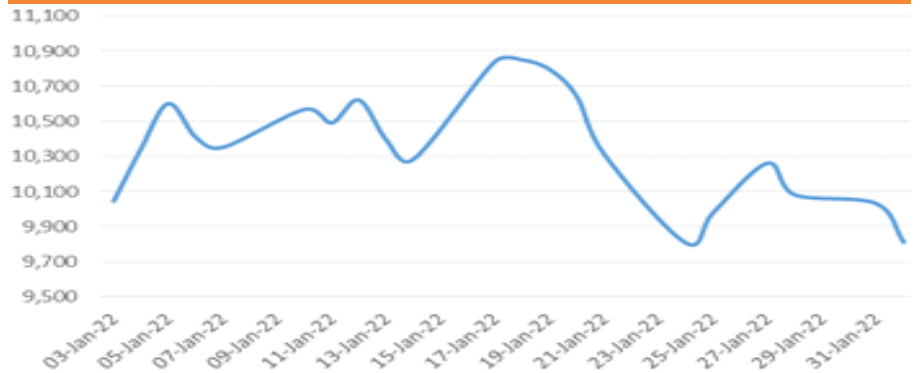
फरवरी 2022



ध्यान दिए जाने वाले कारक

- घरेलू और निर्यात मांग
- हाजिर बाजार में आवक
- फसल की कटाई और बाजार में आने वाले हल्दी की गुणवत्ता
- निजामाबाद और इरोड जैसे प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में फसल को नुकसान

हल्दी वायदा का साप्ताहिक चार्ट



Source: Reuters & SMC Research

फंडामेंटल:

- जनवरी 2022 में हल्दी की कीमतों में अस्थिरता रही है क्योंकि कीमतें 11148 के अब तक उच्च स्तर पर पहुंच थी और फिर उच्च स्तरों से बिकवाली के दबाव के कारण गिरावट हुई। अधिक कीमतों पर हल्दी की मांग कम थी, जबकि नए सीजन की हल्दी की फसल की उम्मीद से उच्च स्तर पर कीमतों पर पड़ा है। हल्दी वायदा की का 9700-11148 के दायरे में कारोबार हुआ।
- भौतिक बाजार में कीमतें पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अधिक हैं, उदाहरण के लिए, पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान हल्दी की कीमतें 5,600 और 6,350 के दायरे में रही, जबकि निजामाबाद में एनसीडीईएक्स द्वारा उद्धृत कीमत 8,875 रुपये थी, और इरोड एपीएमसी में, फिंगर किस्म हल्दी की कीमत 7,318 रुपये प्रति क्विंटल थी।
- एनसीडीईएक्स में, सबसे सक्रिय अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट की कीमतें कम उत्पादन की उम्मीद और उच्च मांग की उम्मीद पर वर्ष-दर-वर्ष लगभग 44% ल/ल अधिक है। तेलंगाना के निजामाबाद क्षेत्र के व्यापारियों को उम्मीद है कि बारिश के कारण 40 फीसदी फसल खराब हो गई है। लेकिन महाराष्ट्र के नांदेड़ जैसे अन्य क्षेत्रों में फसल का रकबा बढ़ा है।
- कुल मिलाकर उपज पिछले साल की तुलना में 15-20 फीसदी कम हो सकती है। निजामाबाद क्षेत्र में फसलों को लगभग 20-30 प्रतिशत का नुकसान हुआ है, लेकिन नई फसल की आवक शुरू होने के बाद ही सही नुकसान का पता चलेगा। तमिलनाडु में फसल सामान्य है, लेकिन राज्य में उत्पादन 10-15 फीसदी कम हो सकता है।
- वित्त वर्ष 2021/22 में हल्दी का निर्यात कम हुआ है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2021/22 के पहले 8 महीनों (अप्रैल-दिसंबर) में, निर्यात पिछले साल की तुलना में 20.7% घटकर 1,16,400 टन हो गया, लेकिन 5 साल के औसत की तुलना में 8.8% अधिक है। हल्दी का प्रमुख निर्यात गंतव्य बांग्लादेश, ईरान और संयुक्त अरब अमीरा

आउटलुक

- अनुमान से कम उत्पादन और निर्यात मांग में तेजी की संभावना से एनसीडीईएक्स में हल्दी (अप्रैल) की कीमतें आने वाले हफ्तों में 10800 तक कारोबार कर सकती हैं। स्थानीय मांग फरवरी के मध्य से शुरू होगी और मार्च में अधिकतम स्तर पर होगी। निर्यात मांग अभी शुरू नहीं हुई है। मौसमी चार्ट के अनुसार, हल्दी के नए सीजन की आवक के कारण अगले दो महीनों के दौरान हल्दी की कीमतों में बहुत कम उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार हो सकता है। कम से कम अप्रैल तक कीमतों को 9600-10500 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है, जिसके बाद रुझान घरेलू और निर्यात मांग पर निर्भर करेगा।
- हल्दी का टेक्निकल स्तर

कॉन्ट्रैक्ट	स्टॉपलॉस 1	स्टॉपलॉस 2	मध्य	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 1
अप्रैल	8,840	9,430	10,290	10,880	11,740
मई	8,850	9,390	10,310	10,850	11,765

हल्दी वायदा की कीमतों में मासिक बदलाव (%)



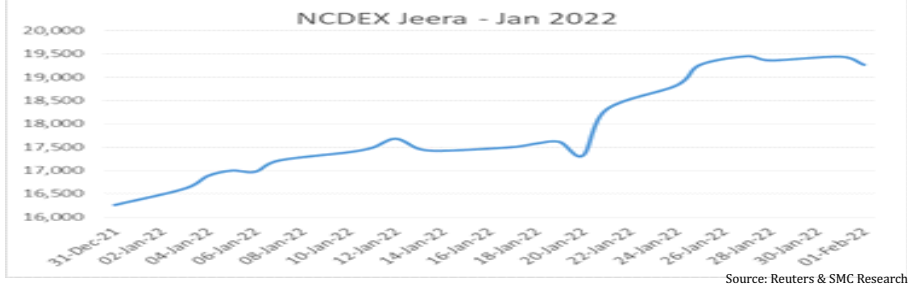
हल्दी वायदा का मौसमी चार्ट



ध्यान दिए जाने वाले कारक

- अधिक गर्म मौसम के कारण फसल नुकसान की आशंका
- अधिक घरेलू मांग और निर्यात मांग
- किसानों और व्यापारियों के पास कम स्टॉक
- वर्तमान में जीरे की उपलब्धता केवल भारत में।

जीरा वायदा का साप्ताहिक चार्ट



फंडामेंटल:

- जीरा वायदा की कीमतें लगातार छठे महीने उच्च स्तर पर बंद हुईं। जनवरी में, कीमतों में 20% के करीब की वृद्धि हुई है, क्योंकि रिपोर्ट है कि देश में जीरे की बुआई में 50% से अधिक की कमी के कारण उत्पादन कम होगा।
- एनसीडीईएक्स में जीरा (मार्च) वायदा की कीमतें 16000 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़कर 19950 से अधिक हो गई हैं। राजस्थान और गुजरात में- दो बड़े उत्पादक राज्यों- कुछ किसान सरसों और अरंडी जैसी तिलहन फसलों की ओर स्थानांतरित हो गए हैं।
- मसाला बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार 2021/22 में राजस्थान में जीरा का रकबा पिछले साल के 7.7 लाख हेक्टेयर की तुलना में इस साल 30 प्रतिशत कम होकर 5.39 लाख हेक्टेयर रह गया है। गुजरात में, यह क्षेत्र पिछले साल के 4.70 लाख हेक्टेयर की तुलना में घटकर 3.40 लाख हेक्टेयर रह गया है।
- जीरा के रकबे में गिरावट राजस्थान में अधिक है, जहां किसानों ने सरसों की ओर रुख किया है, क्योंकि बुवाई के मौसम में तिलहन की फसल की कीमतें आकर्षक थीं। इसी तरह गुजरात में अरंडी की ओर रुझान है।
- दूसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक, उत्पादन पिछले साल के 4.0 लाख टन की तुलना में 41% घटकर 2.37 लाख टन रहने की उम्मीद है। फसल में संभावित नुकसान मुख्य रूप से बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण होता है। इसके अलावा, जीरे के विकास के महत्वपूर्ण चरण के दौरान गुजरात और राजस्थान राज्यों में अत्यधिक ओस के कारण फसल के नुकसान की खबरें हैं।
- वित्त वर्ष 2021.22 में मौजूदा अधिक कीमतों के कारण जीरा निर्यात कम हो गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-दिसम्बर में जीरा का निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 24% घटकर 1.74 लाख टन रह गया है, जो पिछले वर्ष 2.30 लाख टन हुआ था। भारतीय जीरा के लिए प्रमुख निर्यात गंतव्य चीन, बांग्लादेश और अमेरिका हैं, जहां लगभग एक-तिहाई जीरा निर्यात होता है। 2021/22 के दौरान दुनिया के 151 देशों में जीरा का निर्यात किया जाता है।

आउटलुक

- आपूर्ति की कमी और अच्छी घरेलू और निर्यात मांग के कारण इस सीजन में जीरा की कीमतें अधिक रहने की उम्मीद है। मार्च के महीने में निर्यात में तेजी आने की उम्मीद है क्योंकि नए सीजन का जीरा बाजारों में आ गया है, जबकि पिछले साल अफगानिस्तान और सीरिया में कम उत्पादन के कारण भारत दुनिया में जीरा का एकमात्र स्रोत है। हम उम्मीद करते हैं कि जीरा (मार्च) की कीमतें 19300 के स्तर पर अहम सपोर्ट के साथ 20500-21200 के स्तर पर पहुंच सकती है। मौसमी आधार पर फरवरी-मार्च के दौरान जीरा की कीमतें गुजरात से नए सीजन की आवक के कारण लुढ़क सकती है लेकिन इस साल कम आपूर्ति और कारोबारियों की ओर से अधिक मांग की संभावना से कीमतों में अधिक गिरावट नहीं
- जीरा का टेक्निकल स्तर

कॉन्ट्रैक्ट	स्टॉपलॉस 1	स्टॉपलॉस 2	मध्य	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 1
मार्च	15,035	17,250	18,600	20,815	22,165
अप्रैल	16,140	17,880	18,940	20,680	21,740

हल्दी वायदा की कीमतों में मासिक बदलाव (%)



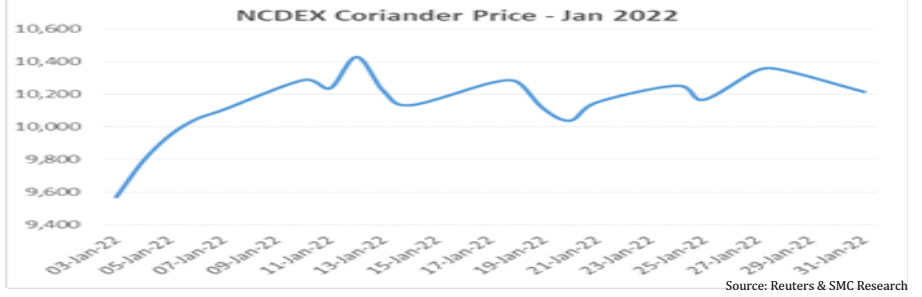
जीरा वायदा का मौसमी चार्ट



ध्यान दिए जाने वाले कारक

- कम तापमान और अधिक ओस के कारण फसल को नुकसान
- घरेलू मांग और निर्यात मांग
- किसानों और व्यापारियों द्वारा अपने स्टॉक को बाजार में लाया जाना
- गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान में कम उत्पादन क्षेत्र
- गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान में हाजिर बाजार में आवक

धनिया वायदा का साप्ताहिक चार्ट



फंडामेंटल:

- जनवरी 2022 में धनिया वायदा की कीमतों में लगभग 11% की बढ़ोतरी हुई क्योंकि पिछले साल की तुलना में उत्पादन कम होने की उम्मीद है। किसानों ने पिछले साल में कम आय और राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश के उत्पादन क्षेत्रों में प्रतिकूल मौसम के कारण अन्य फसलों की खेती करना पसंद किया है। जनवरी में कीमतें 9600 के स्तर से बढ़कर 10400 से अधिक हो गई हैं। कीमतें जनवरी में लगातार चौथे महीने उच्च स्तर पर बंद हुईं और 6 साल के उच्च स्तर 10398 रुपये प्रति 100 किलोग्राम पर पहुंच गईं।
- प्रमुख उत्पादक राज्यों गुजरात और राजस्थान में 2021-22 (जुलाई-जून) में कम उत्पादन अनुमान से कीमतों को समर्थन मिल रहा है। दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, गुजरात सरकार ने धनिया उत्पादन 2.11 लाख टन रहने का अनुमान लगाया है, जो पिछले साल 2.21 लाख टन था। सामान्य की तुलना में कम रकबे के कारण वर्तमान में कीमतें वर्ष-दर-वर्ष 67.2% अधिक और जनवरी के बाद से 23.4% अधिक हैं, क्योंकि किसान पिछले साल कम आमदनी के कारण अन्य फसलों में स्थानांतरित हो गए हैं और कम उत्पादन की उम्मीद कर रहे हैं जबकि अधिक कीमतों के कारण निर्यात सामान्य है। व्यापारियों के अनुसार, इस साल धनिया की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है और इसलिए व्यापारी इस सीजन में बेहतर कीमत मिलने की उम्मीद में अपने पिछले साल के स्टॉक को बनाए हुए हैं।
- सरकारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-नवम्बर की अवधि के दौरान निर्यात पिछले साल के 43,100 टन से 13% घटकर 37,500 टन हुआ है, लेकिन 5 साल के औसत की तुलना में 11% अधिक है। इसी तरह, कैलेंडर वर्ष 2021 में धनिया का निर्यात भी पिछले साल की तुलना में 3.5% घटकर 51779 टन रहा।
- धनिया को मुख्य रूप से बांग्लादेश, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात किया जाता है, जिसमें इन दिशों की कुल हिस्सेदारी 70% है, जबकि पाउडर के रूप में धनिया ज्यादातर दक्षिण अफ्रीका, यूके और यूएसए को आपूर्ति की जाती है।

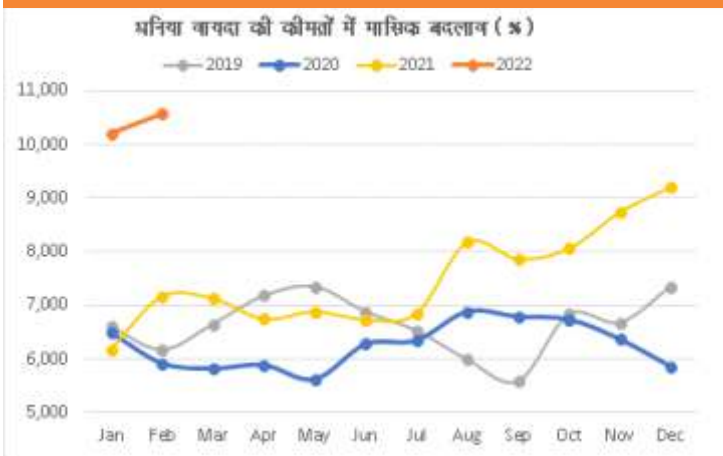
आउटलुक

- लगातार मांग और आने वाले सीजन में उम्मीद से कम उत्पादन के कारण धनिया वायदा वर्तमान में 6 साल के उच्चतम स्तर पर कारोबार कर रहा है। नए सीजन का धनिया हाजिर बाजार में मार्च-अप्रैल के महीने के दौरान आने की उम्मीद है और इसके बाद अधिकतम होगा। मौसमी आधार पर फरवरी और मार्च के दौरान कीमतों में गिरावट होती है क्योंकि नए सीजन की आवक कीमतों पर दबाव डालती है और इसके 9500-9600 तक गिरावट होने की संभावना है। धनिया का निर्यात भी अधिक आवक अवधि के दौरान हो रहा है जिससे इस मौसम के दौरान कीमतों को सपोर्ट मिल सकता है। बाजार सामान्य से कम आवक की उम्मीद कर रहा है। धनिया वायदा (अप्रैल) की कीमतों के 9700-12000 के स्तर पर कारोबार करने की उम्मीद है।

धनिया का टेक्निकल स्तर

कॉन्ट्रैक्ट	स्टॉपलॉस 1	स्टॉपलॉस 2	मध्य	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 1
अप्रैल	9780	10450	10950	11500	12300

धनिया कीमतों को साप्ताहिक चार्ट



धनिया वायदा का मौसमी चार्ट



वंदना भारती	एवीपी कमोडिटी रिसर्च	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 625	vandanabharti@smcindiaonline.com
रितेश कुमार साहु	सीनियर रिसर्च एनालिस्ट	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 674	riteshkumarsahu@smcindiaonline.com
शिवानन्द उपाध्याय	रिसर्च एसोसिएट	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 646	shivanand@smcindiaonline.com

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com



Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western
Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon
(East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवाएं और संबंधित सेवाएं करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एम्प्लॉयर्स ऑफ इंडिया लिमिटेड का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमिटेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएस स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल (CDSL) और एनएसडीएल (NSDL) के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेन्ट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड हैं। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एम्प्लॉयर्स (AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनालिस्ट) रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनालिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एगेंसिटी द्वारा सिन्डिकेटिड मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नहीं किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनालिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नहीं देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिसर्च एनालिस्ट, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय हैं।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राधिकारों की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नहीं है। यह केवल प्राइवेट सन्तुलन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विस्तृत सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नहीं और इस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नहीं किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नहीं किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डायरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नहीं करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वित्तीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉर्पोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नहीं चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते हैं एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन को गारंटी नहीं देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डायरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसको (अ) समय-समय पर किसी भी कमोडिटी में, जिनका इस रिपोर्ट में चिह्नित किया गया है, खरीद या विक्री, कोई भी पोषण हो सकती है और वह इस कमोडिटी में खरीद या विक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटी के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है। सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।